प्रीबोर्ड परीक्षा प्रश्नपत्र 2023

हिन्दी

कक्षा–12

अ-XII–हिन्दी

समय : 3 घण्टे 15 मिनट] [पूर्णांक : 100

निर्देश–प्रारम्भ के 15 मिनट परीक्षार्थियों को प्रश्न-पत्र पढ़ने के लिए निर्धारित हैं।

नोट–(i) सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

(ii) प्रश्नों के निर्धारित अंक उनके सम्मुख निर्दिष्ट है।

खण्ड (क)

1. (क) कविगंग किसके दरबारी कवि थे– 1
   (a) बाबर (b) जहाँगीर (c) अकबर (d) शाहजहाँ।

   (ख) भारतेन्दु युग के गद्यकार हैं– 1
   (a) प्रेमचन्द (b) गुलाबराय
   (c) सरदार पूर्णसिंह (d) पं. बालकृष्ण भट्ट।

   (ग) छायावादी गद्य के लेखक हैं– 1
   (a) बाबू गुलाबराय (b) यशपाल
   (c) जैनेन्द्र (d) डॉ. नगेन्द्र।

   (घ) फोर्ट विलियम कॉलेज की स्थापना हुई थी– 1
   (a) दिल्ली में (b) मद्रास में (c) कलकत्ता में (d) वाराणसी में।

   (ङ) राष्ट्र का स्वरूप किस विधा की रचना है– 1
   (a) नाटक (b) संस्मरण (c) निबन्ध (d) आत्मकथा।

2. (क) बिहारी की प्रमुख रचना है– 1
   (a) गंगालहरी (b) सतसई (c) रस मीमांसा (d) बैदेही वनवास।

   (ख) 'वीरगाथाकाल' के कवि हैं– 1
   (a) भूषण (b) केशवदास (c) चन्दबरदाई (d) छत्रसाल।

   (ग) द्विवेदी युग की रचना नहीं है– 1
   (a) प्रिय प्रवास (b) वैदेही वनवास (c) यशोधरा (d) पल्लव।

   (घ) महादेवी वर्मा की रचना है– 1
   (a) गंगावतार (b) द्वापर (c) यशोधरा (d) नीहार।

   (ङ) 'संसद से सड़क तक' रचना है– 1
   (a) मुक्ति बोध की (b) धूमिल की
   (c) नागार्जुन की (d) अज्ञेय की।

3. निम्नलिखित गद्यांशों में से किसी एक गद्यांश पर आधारित प्रश्नों के उत्तर दीजिये– $5 \times 2 = 10$

पृथिवी और आकाश के अंतराल में जो कुछ सामग्री भरी है, पृथिवी के चारों ओर फैले हुए गंभीर सागर में जो जलचर एवं रत्नों की राशियाँ हैं; उन सबके प्रति चेतना और स्वागत के नए भाव राष्ट्र में फैलने चाहिए। राष्ट्र के नवयुवकों के हृदय में उन सबके प्रति जिज्ञासा की नई किरणें जब तक नहीं फूटतीं, तब तक हम सोए हुए के समान हैं।

प्रश्न–(क) गद्यांश के पाठ और लेखक का नाम लिखिए।

(ख) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए।

(ग) राष्ट्रीयता की भावना के लिए किसके प्रति चेतना जाग्रत होनी आवश्यक है ?

P.T.O.

modelpaper.info

(घ) पृथ्वी और पाताल के बीच तथा समुद्र में कौन-कौन सी अपार सम्पदा देखने को मिलती हैं ?

(ङ) राष्ट्र अथवा राष्ट्र के निवासियों को कब तक सुप्त ही समझना चाहिये ?

अथवा

आज जिसे हम बहुमूल्य संस्कृति मान रहे हैं, वह क्या ऐसी ही बनी रहेगी ? सम्राटों-सामन्तों ने जिस आचारनिष्ठा को इतना मोहक और मादक रूप दिया था, वह लुप्त हो गई; धर्माचार्यों ने जिस ज्ञान और वैराग्य को इतना महार्घ समझा था, वह लुप्त हो गया; मध्ययुग के मुसलमान रईसों के अनुकरण पर जो रस-राशि उमड़ी थी, वह वाष्प की भाँति उड़ गई, क्या यह मध्ययुग के कंकाल में लिखा हुआ व्यावसायिक-युग का कमल ऐसा ही बना रहेगा ? महाकाल के प्रत्येक पदाघात में धरती धसकेगी। उसके कुण्ठनृत्य की प्रत्येक चारिका कुछ-न-कुछ लपेटकर ले जाएगी। सब बदलेगा, सब विकृत होगा—सब नवीन बनेगा।

प्रश्न—(क) गद्यांश के पाठ और लेखक का नाम लिखिये।

(ख) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिये।

(ग) हम आज की संस्कृति को बहुमूलय क्यों मान रहे हैं ?

(घ) प्रस्तुत गद्यांश में किसके लुप्त होने की बात कहीं गयी हैं ?

(ङ) धर्माचार्यों ने जिस-जिस ज्ञान को इतना मूल्यवान समझा था, उसकी क्या दशा हुई ?

4. निम्नलिखित पद्यांशों में से किसी एक पद्यांश पर आधारित प्रश्नों के उत्तर दीजिये— 5×2=10

थोड़ा आगे सरस रव का धाम सत्पुष्पवाला।
अच्छे-अच्छे बहु द्रुम लतावान सौन्दर्यशाली॥
प्यारा वृन्दाविपिन मन को मुग्धकारी मिलेगा।
आना जाना इस विपिन से मुह्यमाना न होना॥
जाते-जाते अगर पथ में क्लान्त कोई दिखावे।
तो जा के सन्निकट उसकी क्लान्तियों को मिटाना॥
धीरे-धीरे परस करके गात उत्ताप खोना।
सद्गंधों से श्रमित जन को हर्षितों-सा बनाना॥

प्रश्न—(क) पद्यांश के पाठ और कवि का नाम लिखिए।

(ख) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए।

(ग) राधिका ने पवन से कहाँ मोहित होकर न रुक जाने के लिए कहा ?

(घ) राधिका ने पवन से मार्ग में किसके दु:ख दूर करने के लिए कहा ?

(ङ) इस पद्यांश में राधिका को किस रूप में चित्रित किया गया है ?

अथवा

कहते आते थे यही अभी नरदेही,
'माता न कुमाता, पुत्र कुपुत्र भले ही।'
अब कहें सभी यह हाय! विरुद्ध विधाता,
'है पुत्र पुत्र ही, रहे कुमाता माता।'

प्रश्न (क) पद्यांश के पाठ और कवि का नाम लिखिए।

(ख) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए।

(ग) "कहते आते थे यही अभी नरदेही, माता न कुमाता, पुत्र कुपुत्र भले ही।" इस पंक्ति के माध्यम से कैकेयी ने कहा है ?

(घ) कैकेयी के अनुसार उनसे हुआ पाप किसने कराया ?

(ङ) कैकेयी के अनुसार उनके दुष्कृत्य को देखकर अब लोग क्या कहेंगे ?

5. (क) निम्नलिखित में से किसी एक लेखक का जीवन-परिचय देते हुये उनकी महत्वपूर्ण कृतियों का उल्लेख कीजिये— 3+2=5

modelpaper.info

(i) डॉ. वासुदेवशरण अग्रवाल (ii) आचार्य महावीर प्रसाद द्विवेदी
(iii) पं. दीनदयाल उपाध्याय।

(ख) निम्नलिखित कवियों में से किसी एक कवि का साहित्यिक परिचय देते हुये उनकी महत्वपूर्ण कृतियों का उल्लेख कीजिये— 3+2=5
(i) भारतेन्दु हरिश्चन्द्र (ii) जयशंकर प्रसाद (iii) सुमित्रानन्दन पन्त।

6. 'बहादुर' कहानी की कथा अपने शब्दों में लिखिये। 5

अथवा

कहानी के तत्वों के आधार पर 'पंचलाइट' कहानी की समीक्षा कीजिये।

7. अपने पठित खण्ड-काव्य की कथावस्तु की विशेषतायें लिखिये। 5

अथवा

अपने पठित खण्ड काव्य की किसी एक प्रमुख घटना का संक्षेप में वर्णन कीजिये।

खण्ड (ख)

8. (क) निम्नलिखित संस्कृत गद्यांशों में से किसी एक का ससन्दर्भ हिन्दी में अनुवाद कीजिये— 2+5=7

संस्कृतसाहित्यस्य आदिकविः वाल्मीकिः महर्षिर्व्यासः, कविकुलगुरुः कालिदासः अन्ये च भास–भारवि–भवभूत्यादयो महाकवयः स्वकीयैः ग्रन्थरत्नैः अद्यापि पाठकानां हृदि विराजन्ते। इयं भाषा अस्माभिः मातृसमं सम्माननीया वन्दनीया च, यतो भारतमातुः स्वातन्त्र्यम्, गौरवम्, अखण्डत्वम् सांस्कृतिकमेकत्वञ्च संस्कृतेनैव सुरक्षितं शक्यन्ते। इयं संस्कृतभाषा सर्वासु भाषासु प्राचीनतमा श्रेष्ठा चास्ति। ततः सुष्ठूक्तम् 'भाषासु मुख्या मधुरा दिव्या गीर्वाणभारती' इति।

अथवा

जन्मतः दशमे दिने 'शिवं भजेदयम्' इति बुद्ध्या पिता स्वसुतस्य मूलशङ्कराय इति नाम अकरोत्। अष्टमे वर्षे चास्योपनयनमकरोत। त्रयोदशवर्षं प्राप्तवतेऽस्मै मूलशङ्कराय पिता शिवरात्रिव्रतमाचरितुम् अकथयत्। पितुराज्ञानुसार मूलशङ्करः सर्वमपि व्रतविधानमकरोत्। रात्रौ शिवालये स्वपित्रा समं सर्वान् निद्रितान् विलोक्य स्वयं जागरितोऽतिष्ठत् शिवलिङ्गस्य चोपरि मूषिकमेकमितस्ततः विचरन्तं दृष्ट्वा शङ्कितमानसः सत्यं शिवं सुन्दरं लोकशङ्करं शङ्करं साक्षात्कर्तुं हृदि निश्चितवान्। तत् प्रभृत्येव शिवरात्रेः उत्सवः 'ऋषिबोधोत्सवः' इति नाम्ना श्रीमद्दयानन्दानुयायिनाम् आर्यसमाजिनां मध्ये प्रसिद्धोऽभूत्।'

(ख) दिये गये श्लोकों में से किसी एक का ससन्दर्भ हिन्दी में अनुवाद कीजिये— 2+5=7

प्रजानां विनयाधानाद् रक्षणाद् भरणादपि।
स पिता पितरस्तासां केवलं जन्महेतवः॥

अथवा

न मे रोचते भद्रं वः उलूकस्याभिषेचनम्
अक्रुद्धस्य मुखं पश्य कथं क्रुद्धोभविष्यति॥

9. निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रश्नों का उत्तर संस्कृत में दीजिये— 2+2=4
(i) संस्कृत-साहित्यस्य का विशेषता अस्ति ?
(ii) हंसपोतिका कस्य दुहिता आसीत् ?
(iii) दिलीपः कस्यान्वये: प्रसूतः ?
(iv) विरजानन्दः कस्य गुरु आसीत् ?

10. (क) 'शृंगार' अथवा 'हास्य' रस की परिभाषा उदाहरण सहित लिखिये। 2
(ख) 'यमक' अथवा 'उपमा' अलंकार की परिभाषा एवं उदाहरण लिखिये। 2
(ग) 'दोहा' अथवा 'रोला' छन्द की मात्राओं के साथ उदाहरण या परिभाषा दीजिये। 2

11. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर आत्मपरक अथवा सम्भाषण शैली में निबन्ध लिखिये— 9
(i) साहित्य समाज का दर्पण है।

modelpaper.info

(ii) ग्रामीण व्यवस्था और कृषक-जीवन
(iii) आतंकवाद की समस्या
(iv) बढ़े बेटियाँ, पढ़े बेटियाँ।
(v) परहित सरिस धर्म नहिं भाई।

12. (क) (i) 'विसर्जनीयस्य सः' सन्धि है— 1
(a) राम + चलति (b) रामः + चलति
(c) रामश् + चलति (d) रामे + चलति।

(ii) 'हरिश्चिनोति' का सन्धि-विच्छेद है— 1
(a) हरितः + चिनोति (b) हरिः + चिनोति
(c) हरिश् + चिनोति (d) हरेः + चिनोति

(iii) 'सच्चयनम्' का सन्धि-विच्छेद है— 1
(a) सद् + चयनम् (b) सत् + चयनम्
(c) सद् + चयनम् (d) सच् + चयनम्।

(ख) (i) 'प्रतिदिनम्' में समास है— 1
(a) तत्पुरुष (b) द्विगु
(c) कर्मधारय (d) अव्ययीभाव।

(ii) 'नीलाम्बुजं' में समास है— 1
(a) अव्ययीभाव (b) कर्मधारय
(c) तत्पुरुष (d) द्वन्द्व।

13. (क) (i) 'पा' धातु का लृट्लकार, उत्तम पुरुष, द्विवचन में रूप होगा— 1
(a) पिबस्यावः (b) पास्यामः
(c) [illegible] (d) [illegible]

modelpaper.info

(ii) 'पिबेयम्' में लकार, पुरुष और वचन हैं— 1
(a) लङ्लकार, मध्यम, द्विवचन
(b) लोट्लकार, प्रथम, बहुवचन
(b) विधिलिङ्लकार, उत्तम, एकवचन
(b) विधिलिङ्लकार, उत्तम, द्विवचन।

(ख) (i) 'नामन्' का द्वितीया विभक्ति, द्विवचन में रूप होगा— 1
(a) नामानौ (b) नामनी (c) नामने (d) नाम्नि।

(ii) 'नाम्नाम्' रूप बनता है, नामन् शब्द का— 1
(a) द्वितीया, बहुवचन में (b) तृतीया, एकवचन में
(c) षष्ठी, बहुवचन में (d) सप्तमी, द्विवचन में।

(ग) (i) 'मतिमान्' शब्द में प्रत्यय है— 1
(a) त्व (b) मतुप् (c) अनीयर् (d) वतुप्।

(ii) 'श्रीमान्' शब्द में प्रत्यय है— 1
(a) मतुप् (b) वतुप् (c) क्त (d) त्व।

(घ) (i) 'ग्रामं' निकषा नदी वहति। वाक्य में 'ग्रामम' में विभक्ति है— 1
(a) षष्ठी (b) द्वितीया (c) चतुर्थी (d) तृतीया।

(ii) 'शिरसा खल्वाटः।' में 'शिरसा' में विभक्ति है— 1
(a) प्रथमा (b) चतुर्थी (c) पञ्चमी (d) तृतीया।

14. निम्नलिखित वाक्यों में से किन्हीं दो वाक्यों का संस्कृत में अनुवाद कीजिये—2+2=4
(i) राम ने रावण को मारा। (ii) गाँव के चारों ओर नही है।
(iii) कर्ण दानी और शूरवीर था। (iv) सदाचार से यश प्राप्त होता है।

●●